TEST CODE	8	7	1	1	5	0	7

UPPSC MAINS 2025

Time Allowed : Three Hours
समय : तीन घंटे

Forum IAS

Maximum Marks : 150
अधिकतम अंक : 150

GENERAL HINDI / सामान्य हिन्दी

Name Of Candidate परीक्षार्थी का नाम	Shiv Kumar		
Roll No./ अनुक्रमाक	1910182565	Medium/ माध्यम	English ☑ हिन्दी ☐
Center Code/ परीक्षा केंद्र	1903	Date/ दिनांक	16-03-2026

*Center Code : For Online - 1900 / Delhi : Karol bagh - 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. - 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

INDEX TABLE / अनुक्रमणिका

Q. No. प्र.सं.	Max. Marks अधिकतम अंक	Marks Obtained प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total/ कुल अंक	150	

INSTRUCTION / अनुदेश

1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet.
कृपया उत्तर–पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।

2. There are **EIGHT** questions printed in this booklet, all questions are compulsory.
उत्तर पुस्तिका में **8** प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।

4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.
उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।

5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off.
प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न–सह–उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।

Examiner's Discretion/ मूल्यांकन कर्त्ता का विवेक:

Total Marks/ कुल अंक :

*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy.

मूल्यांकन कर्त्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखों के उपयोग, फ़्लोचार्ट, तथ्यों और आंकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु, जो मूल्यांकन कर्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।

For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु

Start Time/ प्रारंभ करने का समय :	End Time/ समाप्त करने का समय :
4:30 pm	7:15 pm

Mode Of Examination/ परीक्षा की विधि : Online/ ऑनलाइन ☐ Offline/ ऑफलाइन ☑

For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु

ECN CODE/ ईसीएन कोड :	EG/ ईजी :	Evaluation Date/ मूल्यांकन तिथि:
	① ② ③ ④ ⑤	

Note: Students are expected to incorporate suggestions from the feedback provided in the answers. Discussion classes for the tests are also available online in your portal to aid in your preparation. Further, students are requested to see the good copies of the tests and learn from them. You can also discuss your copy with a Mentor and discover ways and means to improve your answers, or if you have any issues with this test / copy. Ask specific questions, to get specific answers.

EXAMINER'S REMARKS

CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition**. Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of (but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow** = Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R** = How your answer performs on the criteria of **presentation, ease of read, clarity and apparent effort** in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

ForumIAS

Q.1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

किसी परिमित वर्ग से कल्याण से संबंध रखने वाले धर्म की अपेक्षा विस्तृत जनसमूह के कल्याण से संबंध रखने वाला धर्म, उच्च कोटि का है। धर्म की उच्चता उसके लक्ष्य के व्यापकत्व के अनुसार समझी जाती है। गृहधर्म या कुल धर्म से समाज धर्म श्रेष्ठ है, समाज-धर्म से लोकधर्म, लोकधर्म से विश्वधर्म, जिसमें धर्म अपने शुद्ध और पूर्ण स्वरूप में दिखाई पड़ता है। यह पूर्ण धर्म अंगी है और शेष धर्म अंग। पूर्ण धर्म, जिसका संबंध अखिल विश्व की रक्षा से है, वस्तुतः पूर्ण पुरुष या पुरुषोत्तम में ही रहता है, जिसकी मार्मिक अनुभूति सच्चे भक्तों को ही हुआ करती है, इसी अनुभूति के अनुरूप उनके आचरण का भी उत्तरोत्तर विकास हो जाता है। गृह धर्म पर दृष्टि रखने वाला लोक या समस्त या किसी परिवार की रक्षा देखकर, वर्ग धर्म पर दृष्टि रखने वाला, किसी वर्ग या समाज की रक्षा देखकर और लोक धर्म पर दृष्टि रखने वाला लोक या समस्त मनुष्य जाति की रक्षा देखकर आनन्द का अनुभव करता है। पूर्ण या शुद्ध धर्म का स्वरूप सच्चे भक्त ही अपने और दूसरों के सामने लाया करते हैं, जिनके भगवान पूर्ण धर्म स्वरूप हैं, अतः ये कीटपतंग से लेकर मनुष्य तक सब प्राणियों की रक्षा देखकर आनन्द प्राप्त करते हैं। विषय की व्यापकता के अनुसार उनका आनन्द भी उच्च कोटि का होता है। उच्च से उच्च भूमि के धर्म का आचरण अत्यन्त साधारण कोटि का हो सकता है इसी प्रकार निम्न भूमि के धर्म का आचरण उच्च से उच्च कोटि का हो सकता है। गरीबों का गला काटने वाले चीटियों के बिलो पर आटा फैलाते देखे जाते हैं, अकाल पीड़ितों की सहायता में एक पैसा चंदा न देने वाले अपने डूबते मित्र को बचाने के लिय प्राण संकट में डालते देखे जाते हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये। **5**

(ख) धर्म समाज का कल्याण कैसे करता है? इसे गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिये। **5**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिये। **20**

(क)

भावार्थ :- लेखक के अनुसार धर्म का अर्थ है कि पूरे समाज का कल्याण ही अर्थात जो लोग किसी भी समुदाय, जाति या धर्म देखकर उनकी सहायता करते हैं वे लोग निम्न कोटि का धर्म निभा रहे होते हैं। परन्तु वास्तव में सच्ची अनुभूति तो इस बात में होती है कि जब सभी लोग एक ऐसे धर्म को माने जो जीव-जन्तु, नदी, पेड़-पौधे सबके कल्याण की बात करें। गरीबों की मदद न करना और चीटियों को

Forum IAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

-दाना डालना धर्म के अनुचित रूप को व्यक्त करता है अतः जो जहाँ जिस स्थिति में अगर वह अपने स्तर पर मदद करे तो वह उच्च अर्थात पूर्ण व शुद्ध धर्मी कहलाएगा।

(ख)

धर्म से समाज का कल्याण

① धर्म हमें ऊँच-नीच के भावों को नकारने में मदद करता है

② धर्म के सहारे समाज में बराबरी व एकता को बढ़ावा मिलता है

③ धर्म सभी जीव-जन्तुओं को समान भाव से देखने का नजरिया प्रदान करता है

④ अधर्मी व्यक्ति केवल अपना भला चाहेगा परन्तु धर्मी व्यक्ति पूरे समाज व विश्व के कल्याण की बात करता है

⑤ धर्म मनुष्य को उच्च कोटि का -

-व्यक्तित्व प्रदान करता है।

⑥ यह धर्म ही है जो हम सभी को एक धागे में पिरोये हुए है और सभी के कल्याण के लिये उत्तेजित करता है।

(ग)

(i) किसी परिमित ---------- कोटि का है।

व्याख्या - लेखक के अनुसार कोई धर्म इसलिये महान नहीं होता कि वह उसे कितने लोग मानते हैं। परन्तु इस बात से धर्म की महानता का परिचय होता है कि जो लोग उसे मानते हैं वे सभी के कल्याण व उद्धार की बात करते हैं। धर्म की व्यापकता इस बात पर निर्भर करती है कि वह किसी समूह विशेष के लाभ की बात करता है या पूरे विश्व की कल्याण हेतु खड़ा है।

(ii) पूर्ण धर्म ---------- में ही रहता है।

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Forum IAS

व्याख्या - लेखक के अनुसार कोई भी धर्म, पूर्ण धर्म तब कहलाएगा यदि वह विश्व के कल्याण व सभी जीव-जन्तुओं के भले की बात करता है और ऐसा करने वाले धर्म को वही जान सकते है जो उच्च गुण का पुरुषार्थ रखते हैं। यही लोग उस धर्म पर चलकर समाज की रक्षा करते हैं।

(iii) गरीबों का गला .... देखे जाते हैं।

व्याख्या → यह आवश्यक नहीं है कि जो धर्म बड़े लोगों द्वारा माना जाता है वह हमेशा बड़े कार्य अर्थात् सम्पूर्ण समाज का कल्याण करें। और ऐसा भी होता है कि जो धर्म कुछ लोगों द्वारा ही अनुसरण किया जाता है परन्तु वे समस्त संसार के कल्याण की बात करते है जैसे कि भारतीय जैन धर्म जो केवल (0.1%) जनसमूह द्वारा माना जाता है परन्तु वह समस्त जीव, जन्तु, निर्जीव इत्यादि के कल्याण की बात करता है।

X——————X

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Q.2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिए।

विद्वानों का मानना है कि राजनीति ने भाषा को भ्रष्ट कर दिया है; शब्दों से उनके सही अर्थ छीनकर उन्हें छद्म अर्थ पहना दिए हैं। संसद, संविधान, कानून, जनहित, न्याय, अधिकार, साक्ष्य, जाँच जैसे ढेरों शब्द अपना असली अर्थ खोकर बदशक्ल हो चुके हैं। शब्द भले ही अच्छा या बुरा कोई भी अर्थ प्रकट करता हो, जब अपना असली अर्थ खो देता है, तो वह बदशक्ल हो जाता है। भाषा का भ्रंश, अंततः सामाजिक मानवीय मूल्यों का भ्रंश है। कल्पना कीजिए कि एक मनुष्य दूसरे मनुष्य से जो कहे उसका वही अर्थ ना हो, जो भाषा प्रकट करती है या ऐसे अनुभवों की पुनरावृत्ति के कारण दूसरा व्यक्ति उसे सही अर्थ में ना लेकर उसमें अनर्थ या अन्य अर्थ खोजने लगे तो क्या होगा ? यह मनुष्य का मनुष्य पर से विश्वास उठने का मामला है, जो सामाजिक विश्रृंखलता का पहला और अंतिम चरण है। पहला इसलिए कि भाषा को मनुष्य ने परस्पर संवाद और सही संप्रेषण के लिए गढ़ा है और अंतिम इसलिए कि आगे चलकर मनुष्य का कर्म भी भाषा के मूल अर्थ का नहीं उसके भ्रंश का रूप ले लेता है। यह इस तरह होता है कि छद्म अर्थ का वाहन करते-करते भाषा अंततः हमारे कर्म को ही छद्म में बदल देती है। क्या हम भाषा को भ्रष्ट करने की परिणति राजनीतिक और सामाजिक जीवन के चरम पतन में नहीं देख रहे?

(क) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए। **5**

(ख) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर भाषा की भूमिका पर प्रकाश डालिये। **5**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का संक्षेपण कीजिए। **20**

(क)

गद्यांश का शीर्षक = 'भाषा एवं शब्दों का बदलता स्वरूप".

(ख)

भाषा की भूमिका :-

(1) भाषा मानव समाज का वह हथियार जो अपने विचारों व भावों को आसानी से आदान-प्रदान करने में मदद करता है

(2) भाषा ही मनुष्य के मूल्यों को आगे के लिये रास्ता प्रदान करती है

③ भाषा हमारे विचारों को स्पष्ट करती है तथा समाज को विचारणीय बनाती है

④ यदि भाषा न हो तो मनुष्य भी पशु समान हो होगा ही साथ ही यदि भाषा हो और मूल रूप से छूटकर भिन्न रूप धारण कर ले तो मानव समाज भ्रष्ट व पतन की ओर चल पड़ेगा।

⑤ अत: भाषा का स्वरूप भले ही बदल जाए परन्तु ~~अब~~ उसमें प्रयोग किये गये शब्दों का अर्थ नहीं बदलना चाहिये।

⑥ यह भाषा ही है जिसने आज पूरे मानव समाज को एक उच्च कोटि का बना दिया है। यदि भविष्य में भाषा का स्वरूप वर्तमान गति से बदलता रहा तो पूरा समाज अपने अन्तिम पतन

-के अन्तिम चरण में प्रवेश कर चुका होगा और अन्ततः सामाजिक व राजनीतिक जीवन भी भ्रष्ट होकर समाप्त हो जाएगा।

(ग) संक्षेपण :-

- जब को भाषा या शब्द अपने मूल रूप व अर्थ को खोने लगते हैं तो धीरे-धीरे वह भाषा भी अपना मूल चरित्र खोने लगती है। यद्यपि चीजों का समय के साथ बदलना बहुत लाज़मी है परन्तु यदि वह अपने सही अर्थ को ही खो दे तो लोग उसे अपने-अपने तरीके से सही व गलत प्रयोग करने लगते हैं। अतः भाषा का स्वरूप मनुष्य के लिये विचारों को आदान-प्रदान के साथ-साथ अपने मूल रूप में भी बनाए रखना चाहिये। क्योंकि यदि हमारी मूल भाषा ही नष्ट हो जाएगी तो हमारा समाज भी पतन की ओर अग्रसर होगा। (102 शब्द).

(Don't Write anythi[ng] in this Area / इस स्[थान] पर कुछ न लिखें)

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(क) कार्यालय आदेश किसे कहते हैं? शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से जारी विशेष छात्रवृत्ति योजना संबंधी कार्यालय आदेश का प्रारूप तैयार कीजिए। **10**

(ख) भारत सरकार की तरफ से एक परिपत्र जारी कीजिए जिसमें राज्यों को यह निर्देश दिया गया है कि वे यथाशीघ्र नई शिक्षा नीति 2020 को अपने राज्यों में लागू करें। **10**

(ख) परिपत्र :- परिपत्र, पत्र-लेखन का वह औपचारिक प्रारूप होता है जिसमें सरकारी कामकाज के विभिन्न आदेश, निर्देश, कार्य इत्यादि को सभी अधिकारियों को एक साथ प्रेषित किया जाता है।

- यह शासकीय व अर्द्ध-शासकीय कार्यों को सुगम व तीव्र बनाता है।

— परिपत्र —

प्रेषक,   पत्रांक- 20क/205/2024
अ० ब० स०
मुख्य सचिव,
दिल्ली।

विषय- सभी राज्यों द्वारा भारत सरकार द्वारा निर्देशित नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने के सम्बन्ध में।

अनुभाग- 4(शिक्षा प्रकोष्ठ)   18 मार्च, 2024
नई दिल्ली।

महोदय,

उक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केंद्रीय सरकार द्वारा जारी परिपत्र संख्या 40म/22/2020 के सम्बन्ध में नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करवाना है।

2. भारत सरकार का कहना है कि हमें 21वीं सदी की कौशलताओं व आवश्यकताओं को देखते हुए जल्द से जल्द इस शिक्षा नीति को सभी राज्यों द्वारा लागू कर लेनी चाहिये।

3. अतः आप सभी जल्द-

- ये जल्द नीति को समय के अन्दर लागू करें।

संलग्नक (यथोक्त)

भवदीय
ह० ......
(अ० ब० स०)
मुख्य सचिव

प्रतिलिपि निम्न को प्रेषित —
1. समस्त राज्य मुख्य सचिव
2. समस्त शिक्षा सचिव राज्य व केंद्र प्रशासित राज्य
3. सभी डिजिटल व समाचार पत्र मीडिया।

आज्ञा से
ह० ......
(अ० ब० स०)
मुख्य सचिव।

x ——————— x.

(Don't Write anythi
in this Area / इस स्
पर कुछ न लिखें)

Feedback
(For OFFICE use only

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.4) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिये । **10**

अनुक्रिया, अधिष्ठित, वादी, आगमन, सज्जन, सुपत्र, राग, सम्मुख, सलज्ज, उदात्त

शब्द		विलोम
① अनुक्रिया	→	प्रतिक्रिया
② अधिष्ठित	→	अनधिष्ठित
③ वादी	→	प्रतिवादी
④ आगमन	→	______
⑤ सज्जन	→	दुर्जन
⑥ सुपुत्र	→	कुपुत्र
⑦ राग	→	~~विसम~~ विराग
⑧ सम्मुख	→	विमुख
⑨ सलज्ज	→	निर्लज्ज
⑩ उदात्त	→	अनुदात्त ।

X ———— X

(Don't Write anythi
in this Area / इस स्
पर कुछ न लिखें)

Feedback

(For OFFICE use only

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.5) (क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्गों की पहचान कीजिए। 5

दुष्प्राप्य, अध्यात्म, अभ्युदय, स्वागत, प्रत्यक्ष ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को पृथक् कीजिए। 5

पावक, पाणिनीय, झाड़ू, शक्ति, बलिष्ठ।

(क)

शब्द		उपसर्ग
① दुष्प्राप्य	→	दुष् / दुः
② अध्यात्म	→	आधि
③ अभ्युदय	→	अभि
④ स्वागत	→	सु
⑤ प्रत्यक्ष	→	प्राति ।

(ख)

शब्द		प्रत्यय
① पावक	→	अक
② पाणिनीय	→	ईय
③ झाड़ू	→	ऊ

④ शक्ति → इ

⑤ बालिष्ठ → इष्ठ ।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.6) निम्नलिखित वाक्यांशों या पदबंध के लिए एक-एक शब्द लिखिए **10**

(i) जो कहीं लौटकर आया हो

(ii) जो अपनी जन्मभूमि छोड़कर विदेश में वास करता हो

(iii) जिसे करना बहुत कठिन हो

(iv) जिस पर अभियोग लगाया गया हो

(v) जो अपनी पत्नी के साथ हो

(i) कहीं से लौटकर आया हुआ → "प्रत्यागत"

(ii) जो अपनी जन्मभूमि छोड़कर विदेश में वास करता है → "अप्रवासी भारतीय"

(iii) जिसे करना बहुत कठिन हो → "दुष्कर"

(iv) जिस पर अभियोग लगाया गया हो → "अभियुक्त"

(v) जो अपनी पत्नी के साथ हो → "सपत्नीक" ।

X————X

Feedback

(For OFFICE use only

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.7) (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये। 5

(1) तुम तुम्हारी किताब ले जाओ।

(2) यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।

(3) यह एक गहरी समस्या है।

(4) मोहन आगामी वर्ष कलकत्ता गया था।

(5) गणित एक कठोर विषय है।

(ख) निम्न शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिये । 5

व्यवहारिक, तत्कालीक, आशीर्वाद, पुज्यनीय, इच्छिक

(क) (1) तुम अपनी किताब ले जाओ।

(2) यह सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।

(3) यह एक गम्भीर समस्या है।

(4) मोहन पिछले वर्ष कलकत्ता गया था।

(अथवा)

मोहन आगामी वर्ष कलकत्ता जाएगा।

(5) गणित एक कठिन विषय है।

(Don't Write anythi in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(ख)

शब्द	शुद्ध शब्द
① व्यवहारिक	→ व्यावहारिक
② तत्कालीक	→ तात्कालिक
③ आशीर्वाद	→ आशीर्वाद
④ पुज्यनीय	→ पूजनीय
⑤ इच्छिक	→ ऐच्छिक

X————X

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.8) निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए। **30**

(1) चूहे के चाम से नगाड़ा नहीं बनता।

(2) खूँटे के बल बछड़ा कूदे।

(3) दालभात में मूसरचंद।

(4) पराए धन पर लक्ष्मीनारायण।

(5) एक ही लकड़ी से सबको हाँकना।

(6) अधजल गगरी छलकत जाए।

(7) लहू के आँसू पीना।

(8) मीठी छुरी चलाना।

(9) निन्यानबे के फेर में पड़ना।

(10) जबान पर लगाम न देना।

(1) चूहे के चाम से नगाड़ा नहीं बनता

(अर्थ) → [थोड़ी वस्तु से बड़े कार्य नहीं होते।]

• वाक्य प्रयोग :- केवल एक किताब पढ़कर कोई IAS नहीं बनता अर्थात् चूहे के चाम से नगाड़ा बनाना वाली बात चरितार्थ होती है।

(2) खूँटे के बल बछड़ा कूदे

• अर्थ - [दूसरों की शय पर बल दिखाना].

• वाक्य प्रयोग - पाकिस्तान हमेशा अमेरिका व चीन के बल पर भारत को धमकाता रहता है। परन्तु उसकी यह बात खूँटे के बल बछड़ा कूदे को चरितार्थ करती है।

③ दालभात में मूसरचन्द

• अर्थ- [अच्छे कार्य में अटकल बनना।]

• वाक्य प्रयोग- अमेरिका ने भारत पर 10% टैरिफ लगा दिये हैं जिससे कि भारत एक विकसित देश न बन जाए। अर्थात् अमेरिका अभी भारत के लिए दालभात में मूसरचन्द बना हुआ है।

④ पराए धन पर लक्ष्मीनारायण

• अर्थ- [किसी और के धन पर हक जमाना।]

• वाक्य प्रयोग- हाल ही में अमेरिका ने वेनेजुएला पर आक्रमण कर उसके सारे तेल साधनों को अपना बताकर 'पराए धन पर लक्ष्मीनारायण' वाली बात को सिद्ध करदिया है।

⑤ एक ही लकड़ी से सबको हाँकना

• अर्थ- [सबके साथ एक-सा व्यवहार करना।]

• वाक्य प्रयोग- बड़े उद्योगपति द्वारा अपने सभी कर्मचारियों को बराबर सैलरी देना सबको एक ही लकड़ी से हाँकने वाली बात है।

⑥ अधजल गगरी छलकत जाए

• अर्थ- [कम ज्ञानी दिखावा ज्यादा करता है।]

• वाक्य प्रयोग- रमेश ~~न~~ दसवीं फेल व्यक्ति है फिर भी खुद को ऐसे दिखाता है जैसे ~~असल~~ उसने Ph.D की हो। यह अधजल गगरी छलकत जाए वाली बात को चरितार्थ करता है

⑦ लहू के आँसू पीना

• अर्थ- [अत्याधिक दुःख सहन करना]

• वाक्य प्रयोग- राधा के पिता के देहान्त के बाद उसे सभी लोग ~~इतना~~ सताने लगे किन्तु वह चुप रही। यह राधा के 'लहू के आँसू पीना' वाली बात को चरितार्थ करती है।

⑧ मीठी छुरी चलाना

• अर्थ- [विश्वासघात करना या प्यार से मूर्ख बनाना]

• वाक्य प्रयोग- आजकल चीन सभी छोटे देशों को कम ब्याज पर धन देकर उन्हें फँसा लेता है। यह तो 'मीठी छुरी चलाना' जैसी बात को सिद्ध करता है।

⑨ निन्यानबे के फेर में पड़ना

• अर्थ - [धन कमाने में लगे रहना.]

• वाक्य प्रयोग - चोरों की मानसिक स्थिति ऐसी होती है कि वे लूट करते समय किसी की हत्या भी कर देते है और बस पैसा कमाते है। अर्थात वे सब निन्यानबे के फेर में पड़े हुए हैं।

⑩ जबान पर लगाम न देना

• अर्थ - [बेफ़जूल अत्यधिक बोलना.]

• वाक्य प्रयोग - झगड़ा समाप्त होने के बाद भी कुछ लोग बोलते रहते हैं और फिर से झगड़ा शुरु हो जाता है। अतः 'जबान पर लगाम न देना' नुकसान दायक होता है।

x————————x

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Mentor Feedback Questions

1 ....

2 ....

3 ....

4 ....

5 ....

Test Goal		Outcomes
1	☐	....
....		....
2	☐	....
....		....
3	☐	....
....		....

Marking Scheme

Mark	Good	Average	Below average
10 Marker	3.75 – 5.0	3.0 – 3.5	< 3.0
15 Marker	5.75 – 7.0	4.0 – 5.5	< 4.0
20 Marker	7.75 - 10	6 - 7.5	< 6
✔✔	Key / Relevant Point		
✖	Vague / Irrelevant		

* Subject to change without prior notice.

Availing Mentorship - Now made easy & seamless via mentorship.forumias.com

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL https://mentorship.forumias.com or Scan the QR code

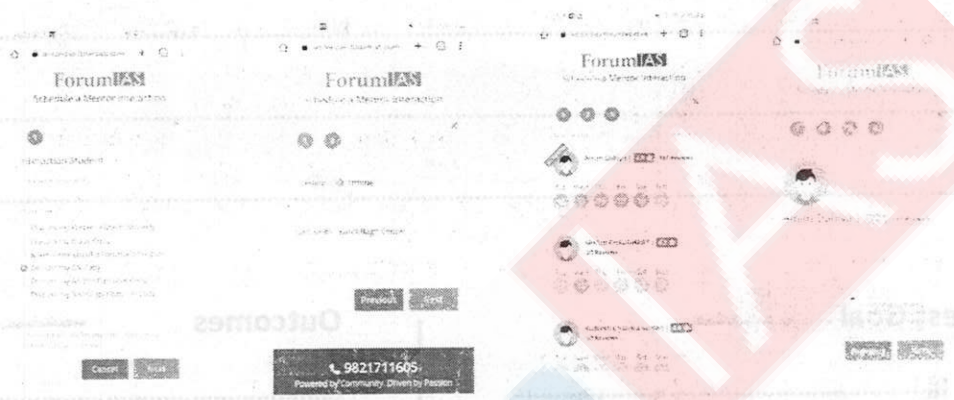

When must you seek mentorship? When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuiances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link https://blog.forumias.com/testimonials

Topper's Testimonials and Test Copies

CSE 2021 Topper's Testimonials and Test Copies

CSE Rank 1, Shruti Sharma, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 5, Utkarsh Dwivedi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 8, Ishita Rathi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 9, Preetam Kumar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 12, Yasharth Shekhar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 14, Abhinav J Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 17, Mehak Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 19, Diksha Joshi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 20, Arpit Chauhan, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 23, Ashish, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 24, Pusapati Sahitya, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 25, Shruti Rajlakshmi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 26, Utsav Anand, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 28, Mourya Bharadwaj Mantri, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 30, Naman Goyal, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 33, Jaspinder Singh, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 37, V Sanjana Simha, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 39, Vishal Dhakad, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 40, Kushal Jain, Download MGP Copies Click Here